वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र 2022–2023
विषय: सामाजिक विज्ञान
कक्षा 6 (स्तर 2)

पाठ्य–पुस्तक	विषयवस्तु एवं उसका पिछली कक्षाओं के साथ मापन	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन 1	<u>कक्षा 5</u> <u>पाठ – 17 फाँद ली दीवार</u> <u>कक्षा 6</u> <u>पाठ – 2</u> <u>विविधता एवं भेदभाव</u> पूर्वाग्रह, लड़के और लड़की में भेदभाव, रुढ़िवादी धारणाएँ बनाना, असमानता एवं भेदभाव, भेदभाव का सामना करने पर, समानता के लिए संघर्ष।	• अपने आस–पास होने वाली भेदभावपूर्ण घटनाओं की सूची तैयार करना। • अपने आस–पास की तीन रुढ़िबद्व धारणाओं की सूची बनाएँ। क्या इस तरह की धारणाएँ रखना सही है? • अखबार में छपी भेदभाव से संबंधित तीन खबरों पर कक्षा में चर्चा करें। • कक्षा में इस प्रकार की गतिविधियों को प्रोत्साहित करें जिनसें कक्षा में पूर्वाग्रह एवं रूढ़िवादी धारणाएँ कम अथवा समाप्त हो सके। • कक्षा में इस प्रकार की गतिविधियों को बढ़ावा देना जिनसें समानता, सांस्कृतिक विविधता एवं अन्य विचारधारा को यथोचित सम्मान मिल सके। • कृपया कार्यपत्रक संख्या 120B देखें। (कक्षा '5) • कृपया कार्यपत्रक संख्या 20, 21 एवं 25 देखें। (कक्षा '6)	• समाज में विविधता के महत्व को समझ सकेंगें और समाज में होने वाले भेदभावों की पहचान कर सकेंगें। • विभिन्न प्रकार के भेदभावों को समझना तथा उनकी प्रकृति एवं स्रोत को समझना। • विविधता के बावजूद देश में एकता की भावना की प्रशंसा कर सकेंगें।
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन 1	<u>पाठ –5</u> <u>पंचायती राज</u> ग्रामसभा तथा उसके कार्य, ग्राम पंचायत, पंचायत के कार्य तथा आय के	• पंचायती राज एवं ग्राम सभा की कार्यप्रणाली पर चर्चा करें। • कक्षा में अपने आस–पास की किसी सार्वजनिक समस्या को खोजना तथा समाधान	• पंचायत की कार्य प्रणाली समझ जाऐंगें।

	स्रोत, पंचायत के स्तर	हेतु। विद्यार्थियों की सहायता से नाट्य–रुपातंरण। • कृपया कार्यपत्रक संख्या 31 से 35 देखें।	
पृथ्वीःहमारा आवास	**<u>कक्षा 5</u>** **<u>पाठ – 11 सुनीता अंतरिक्ष में</u>** **<u>कक्षा 6</u>** **<u>पाठ – 1</u>** **<u>सौरमंडल में पृथ्वी</u>** चंद्रमा के आकार के आधार पर पूर्णिमा तथा अमावस्या, खगोलीय पिण्ड, तारा, नक्षत्रमण्डल, ध्रुव तारा, ग्रह, सौरमण्डल, प्रकाश की गति, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित उपग्रह, क्षुद्रग्रह, उल्कापिण्ड, आकाशगंगा, ब्रह्मांड।	• पृष्ठ संख्या 08 और 09 पर दिए गए खेलों को कक्षा – कक्ष में खिलवाएँ। • विद्यार्थियों द्वारा सौरमण्डल के ग्रहों की स्थिति बताते हुए पृथ्वी के घूर्णन व परिक्रमण का अभिनय। • कुछ ग्रहों और उपग्रहों की सूची बनाना। • कृपया कार्यपत्रक संख्या 55B, 60B, 66B, 71B, 77B, 88B देखें। (कक्षा 6) • कृपया कार्यपत्रक संख्या 11 से 13 देखें। (कक्षा 6)	• सौरमण्डल की अवधारणा को समझ सकेंगें। तारों,ग्रहों,उपग्रहों जैसे सूर्य, पृथ्वी तथा चंद्रमा में अंतर कर पाना।
पृथ्वीः हमारा आवास	**<u>पाठ – 2</u>** **<u>ग्लोबः अक्षांश एवं देशांतर</u>** ग्लोब तथा ग्लोब पर बनी विभिन्न काल्पनिक रेखाओं की जानकारी, महत्वपूर्ण अक्षांशों को बताना, पृथ्वी के विभिन्न ताप कटिबंध, देशांतर रेखाओं की जानकारी, प्रमुख याम्योत्तर, देशांतर एवं समय, मानक समय का निर्धारण। हम मानक समय क्यों मानतें है?	• कक्षा में ग्लोब का अवलोकन करवाना। • ग्लोब पर अक्षांश व देशांतर की खोज। • पृष्ठ – 17 पर दिए गए खेल को खिलाएँ। • दो स्थानोंके बीच देशांतरों के आधार पर समय की गणना करना। • कृपया कार्यपत्रक संख्या 18,19,22 एवं 35 देखें।	• ग्लोब पर किसी स्थान की सटीक स्थिति का पता लगा पाना।अक्षांश और देशांतर के आधार पर तथा उस स्थान के समय को जान पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	**<u>पाठ–2</u>** **<u>"आखेटक खाद्य संग्राहक से भोजन उत्पादन तक"</u>** आरम्भिक मानव इधर–उधर क्यों घूमते थे। आरम्भिक मानव के विषय में जानकारी कैसे मिलती है? पत्थर के औजार, रहने की जगह	• विभिन्न काल में पत्थर के औजारों के चित्र एकत्रित करना और इनके प्रमुख उपयोगों की सूची बनाना। • एक काल के औजार दूसरे काल से अलग क्यों हैं – इसकी समूह में चर्चा। • भोजन के अतिरिक्त जानवरों से प्राप्त होनें वाली वस्तुओं की सूची बनाओं। मानव द्वारा खाये जाने वाले अनाजों की सूची तैयार करें।	• यह समझ पाऐंगें कि महत्वपूर्ण विकास जैसे आग की खोज, अनाज की खेती, औजार, पात्र आदि से इतिहास को दिशा मिली या मानव जीवन प्रभावित हुआ। • इस बात को समझ पाना की मानव आखेटक से खाद्य संग्राहक कैसे बना?

	निर्धारित करना, आग की खोज, बदलती जलवायु, शैल चित्रकलाः खेती और पशुपालन की शुरुआत, एक नवीन जीवन शैली, जानवरः चलते–फिरते खाद्य भण्डार, आरंभिक कृषक एवं पशुपालक, स्थायी जीवन की ओर, निरीक्षण (मेहरगढ़ में जीवन मृत्यु) मानचित्र कार्य	• कृपया कार्यपत्रक 16 एवं 17 देखें।	

नोटः उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूर्ण करवाना अनिवार्य है।
मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।ध्यातव्य है कि शेष पाठ्यवस्तु/विषयवस्तु अधिगम संवृद्धि हेतु है।

मध्यावधि परीक्षा

विषय	विषयवस्तु एवं उसका पिछली कक्षाओं के साथ मापन	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन–1	<u>पाठ 7</u> <u>नगर का प्रशासन</u> नगर एवं गाँव प्रशासन की तुलना, नगर निगम तथा महानगरपालिका और उनके प्रमुख कार्य, निगम पार्षद एवं प्रशासनिक कर्मचारी, नगर निगम को पैसा कहाँ से आता है? जनता द्वारा विरोध के कारण व तरीके	• निगम पार्षद की भूमिका मे शिक्षकः शिक्षक स्वयं इस भूमिका में रहें और बच्चों सें निगम– पार्षद के कार्यों एवं भूमिका से संबंधित प्रश्न पूछने के लिए कहें एवं चर्चा करें। • दिल्ली नगर निगम के विभिन्न कार्यों की सूची बनायें। • कृपया कार्यपत्रक 35 से 42 देखें।	• नगर प्रशासन के विभिन्न आयामों को समझ सकेंगें। • स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नगर स्थानीय स्वशासन के अंगों के कार्यों को समझ पाऐंगें।
पृथ्वीः हमारा आवास	<u>पाठ 7</u> <u>हमारा देश भारत</u> ग्लोब पर भारत की स्थिति, भारत का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार, प्रमुख पडोसी देश, भारत के राज्य एवं उनकी राजधानियाँ, राजनीतिक एवं प्रशासनिक विभाजन, भौतिक विभाजनः पर्वत,पठार, मैदान,तट,द्वीप– समूह इत्यादि मानचित्र कार्य।	• भारत के राजनीतिक मानचित्र पर भारत के राज्य तथा पडोसी देश, तथा भारत के अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार को प्रदर्शित कीजिए। • चित्र संख्या 7.3 की सहायता से भारत की भौगोलिक विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कीजिए। • कृपया कार्यपत्रक संख्या 2 देखें।	• भारत के मानचित्र पर पर्वत, पठार, मैदान, नदियों, मरूस्थल, राज्य व पडोसी देशों इत्यादि को दर्शा पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	<u>पाठ : 3</u> <u>आरंभिक नगर</u> हडप्पा की कहानी, नाले और सडकें, नगरीय जीवन, नगर एवं नए शिल्प, कच्चेमाल की खोज में, नगरों में रहने वालों के लिए भोजन। गुजरात में हडप्पाकालीन नगर का सूक्ष्म निरीक्षण, सभ्यता के अंत का रहस्य, मानचित्र कार्य।	• हडप्पा के शहर तथा वर्तमान शहरों में तुलना, समानताएँ एवं असमानताओं पर कक्षा में चर्चा। • हडप्पा के शहरों को रेखा मानचित्र पर दर्शाना। • कृपया कार्यपत्रक 26 से 30 देखें।	• प्रारम्भिक नगर सभ्यता (हडप्पा) और वर्तमान शहरों की प्रमुख विशेषताओं को समझ पाना। • भारत के रेखा मानचित्र पर आरंभिक सिंधु सभ्यता के शहरों को दर्शा पाऐंगें।
हमारे अतीत ।	<u>पाठ –6</u> <u>नए प्रश्न, नए विचार</u> बौद्व धर्म तथा जैन धर्म का उदय, बुद्व और महावीर का जीवन परिचय, उपनिषद, संघ, विहार, आश्रम व्यवस्था, बौद्व धर्म और जैन	• अध्याय में उल्लिखित किन्हीं पाँच विचारों तथा प्रश्नों की सूची तैयार करे तथा चर्चा करे की वे आज भी क्यों महत्वपूर्ण है? • कृपया कार्यपत्रक 43 से 46 देखें।	• इस काल में नए विचारों तथा धर्म के विकास के परिप्रेक्ष्य को समझ पाऐंगें तथा इससे जुडे प्रमुख विचारों एवं मूल्यों को समझ पाऐंगें।

	धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ।		
हमारे अतीत ।	<u>पाठ–7</u> <u>अशोकः एक अनोखा सम्राट जिसने युद्व का त्याग किया।</u> मौर्य साम्राज्य तथा उसका विस्तार, साम्राज्य का प्रशासन, अशोक–एक अनोखा सम्राट, कलिंग का युद्व, अशोक का धम्म, अशोक का युद्व त्याग, अशोक के अभिलेख। भाषा और लिपि, मानचित्र कार्यः अशोक के अभिलेखों से संबंधित स्थल, प्रमुख शहर	• अगर आप शासक होते तो आने वाली पीढियों के लिए क्या संदेश लिखते।कोलॉज पर अपने संदेश लिखें तथा कक्षा में दिखाएँ। • भारत के रेखा मानचित्र पर मौर्य साम्राज्य के प्रमुख नगरों तथा जहाँ सम्राट अशोक के अभिलेख पाएँ गए है उन्हें दिखाइए।	• मौर्य साम्राज्य के महत्वपूर्ण योगदानों जैसे– कला, स्थापत्य कला, प्रशासन, धर्म, विदेश नीति इत्यादि को समझ पाऐंगें।

नोटः उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम को 31 जनवरी 2023 तक पूर्ण करवा लिया जाए।
वार्षिक परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति।
वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।
दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।ध्यातव्य है कि शेष पाठ्यवस्तु/विषयवस्तु अधिगम संवृद्धि हेतु है।

वार्षिक परीक्षा 2023